परिशिष्ट "A"

पाठ्यक्रम संरचना

कक्षा – XII

विषय – अर्थशास्त्र (303)

सैद्धांतिक – 80

पूर्णांक – 100

प्रायोजना – 20

स.क्र.	इकाई एवं पाठ्यवस्तु	आबंटित अंक	कालखण्ड
भाग–अ व्यष्टि अर्थशास्त्र – एक परिचय			
01	परिचय	04	08
02	उपभोक्ता के व्यवहार का सिद्वांत (उपभोक्ता संतुलन)	14	32
03	उत्पादन तथा लागत	07	16
04	पूर्ण प्रतिस्पर्धा की स्थिति में फर्म का सिद्वांत	07	16
05	बाजार संतुलन	08	28
भाग–ब समष्टि अर्थशास्त्र – एक परिचय			
06.	परिचय एवं राष्ट्रीय आय का लेखांकन	10	28
07.	मुद्रा और बैंकिग	06	15
08.	आय और रोजगार के निर्धारण	12	27
09.	सरकारी बजट एवं अर्थव्यवस्था	06	15
10.	खुली अर्थव्यवस्था – समष्टि अर्थशास्त्र	06	15
	योग	**80**	**200**
	प्रायोजना	**20**	**20**
	महायोग	**100**	**220**

परिशिष्ट "B"

प्रश्नपत्र योजना
कक्षा – XII
विषय – अर्थशास्त्र (303)

कुल अंक – 80 | समय – 03:00 घण्टे

"A"-शैक्षिक उद्देश्य अनुसार अंक विभाजन

क्र.	प्रश्नों के प्रकार	वस्तुनिष्ठ (MCQ/VSA) 01	लघु उत्तरीय (SA-I) 02	लघु उत्तरीय (SA-II) 03	दीर्घ उत्तरीय (LA) 04	अति दीर्घ उत्तरीय (VLA) 06	कुल अंक	% अधिमार
1.	ज्ञानात्मक (Knowledge) परिभाषा, सिद्धांत, तथ्यों को पहचानना, सूचना इत्यादि पर आधारित सामान्य स्मरण क्षमता पर आधारित प्रश्न	03	01	01	02	-	16	20%
2.	अवबोधात्मक (Understanding) अर्थ, व्याख्या, अंतर स्पष्ट करना, वैचारिक समझ, भावानुवाद	01	01	01	02	01	20	25%
3.	अनुप्रयोगात्मक (Application) उदाहरण सहित/संदर्भ और समझ के आधार पर दी गई नयी परिस्थितियों को समझाना/ सिद्धांत के समाधान/हल निकालना	03	02	01	01	01	20	25%
4.	विश्लेषणात्मक (Analysis) वर्गीकृत, तुलनात्मक, व्याख्या विभिन्न स्त्रोतों पर आधारित विशेष जानकारी को समाहित करना/ एकीकरण/सुसंगठित करना/अंतर	-	01	-	-	01	08	10%
5.	मूल्यांकन (Evaluation) मूल्यांकन करना/समीक्षा करना/मूल्य निर्धारण/निष्कर्ष निकालना/चयन करना/तर्क आधारित	02	-	-	-	01	08	10%
6.	रचनात्मक (Creation/Creativity) सृजन करना/पूर्वानुमान/योजना वनाना/परिकल्पना/संगठित करना	01	-	01	01	-	08	10%
	योग	1(10)=10	2(5)=(10)	3(4)=12	4(6)=24	6(4)=24	80	100%

"B"-प्रश्नानुसार विभाजन

क्र.	प्रश्नों के प्रकार	प्रत्येक प्रश्न पर आबंटित अंक	कुल प्रश्न	कुल अंक
1.	वस्तुनिष्ठ (MCQ/VSA)	01	1(10)	10
2.	लघुउत्तरीय (SA-I)	02	05	10
3.	लघुउत्तरीय (SA-II)	03	04	12
4.	दीर्घउत्तरीय (LA)	04	06	24
5.	अति दीर्घउत्तरीय (VLA)	06	04	24
	कुल योग		19+1(10)	80

"C"-कठिनाई स्तर अनुसार विभाजन

क्र.	कठिनाई स्तर	अंक	प्रतिशत
1.	सरल (E)	24	30%
	औसत (AV)	40	50%
	कठिन (D)	16	20%
	योग	80	100%

परिशिष्ट – "C"

ब्लूप्रिंट

कक्षा – XII

विषय – अर्थशास्त्र (303)

पूर्णांक – 80 समय – 03:घण्टे

क्र	इकाई एवं पाठ्यवस्तु ↓	अंको का अधिभार ↓	वस्तुनिष्ठ (MCQ/ VSA)	लघु उत्तरीय (SA-I)	लघु उत्तरीय (SA-II)	दीर्घ उत्तरीय (LA)	अति दीर्घ उत्तरीय (VLA)	कुल अंक	कुल प्रश्न
		अंक →	01	02	03	04	06		
	भाग–अ व्यष्टि अर्थशास्त्र – एक परिचय								
01	परिचय	04	-	-	-	01*	-	04	1+(0)
02	उपभोक्ता के व्यवहार का सिद्वांत (उपभोक्ता संतुलन)	14	01	-	1	01*	01*	14	3+ (1)
03	उत्पादन तथा लागत	07	01	-	-	-	01*	07	1+ (1)
04	पूर्ण प्रतिस्पर्धा की स्थिति में फर्म का सिद्वांत	07	-	02	1	-	-	07	3+(0)
05	बाजार संतुलन	08	02	01	-	01*	-	08	2+ (2)
	भाग–ब समष्टि अर्थशास्त्र– एक परिचय								
06	परिचय एवं राष्ट्रीय आय का लेखांकन	10	01	-	01	-	01*	10	2+ (1)
07	मुद्रा और बैंकिग	06	02	-	-	01*	-	06	1+ (2)
08	आय और रोजगार के निर्धारण	12	01	01	01	-	01*	12	3+ (1)
09	सरकारी बजट एवं अर्थव्यवस्था	06	02	-	-	01*	-	06	1+ (2)
10	खुली अर्थव्यवस्था–समष्टि अर्थशास्त्र	06	-	01	-	01*	-	06	2+(0)
	महायोग	80	1(10)=10	2(5)=10	3(4)=12	4(6)=24	6(4)=24	80	19+1(10) =20

नोट :–(i) प्रश्न क्र0–01 वस्तुनिष्ठ प्रश्न है। जिसमें दो खण्ड होगें। खण्ड "अ"–05 प्रश्न बहुविकल्पीय (MCQ) तथा खण्ड "ब" –05 प्रश्न अतिलघुउत्तरीय (VSA) होगें।

(ii) * तारांकित वाले प्रश्नों में विकल्प दिया जाना है।

(iii) कोष्ठक के बाहर की संख्या अंको को दर्शाती है तथा कोष्ठक के अंदर की संख्या प्रश्नों की संख्या को दर्शाती है।

प्रश्नपत्र संरचना

कक्षा – XII

विषय– अर्थशास्त्र (303)

कुल अंक – 80 समय : 03:00 घण्टे

1. प्रश्न क्र0–1 वस्तुनिष्ठ प्रश्न है जिसमें दो खण्ड होंगे :–
   (i) "खण्ड–अ" 05 बहुविकल्पीय (MCQ) प्रश्न होगें। जिसमें प्रत्येक में 01 अंक निर्धारित है।
   (ii) खण्ड–"ब" 05 अतिलघुउत्तरीय (VSA) प्रश्न होंगे। जिसमें प्रत्येक में 01 अंक निर्धारित है।
2. प्रश्न क्र0–02 से प्रश्न क्र. 06 तक लघुउत्तरीय (SA-I) प्रश्न होगें, जिसमें प्रत्येक में 02 अंक निर्धारित हैं। शब्द सीमा– 30 शब्द है।
3. प्रश्न क्र0– 07 से प्रश्न क्र0 10 तक लघुउत्तरीय (SA-II) प्रश्न होगें, जिसमें प्रत्येक में 03 अंक निर्धारित हैं। शब्द सीमा – 50 शब्द है।
4. प्रश्न क्र0 11 से प्रश्न क्र0 16 तक दीर्घउत्तरीय (LA) प्रश्न होगें, जिसमें प्रत्येक में 04 अंक निर्धारित हैं। शब्द सीमा – 75–100 शब्द है।
5. प्रश्न क्र0 17 से प्रश्न क्र0 20 तक अति दीर्घउत्तरीय (VLA) प्रश्न होगें, जिसमें प्रत्येक में 06 अंक निर्धारित हैं। शब्द सीमा– 150–200 शब्द है।

पाठ्यक्रम
कक्षा – XII
विषय – अर्थशास्त्र (303)

सैद्धांतिक अंक–80 समय–3:00 घंटे

भाग–1 – व्यष्टि अर्थशास्त्र एक परिचय

इकाई : एक – परिचय 04 अंक 08 कालखण्ड

सामान्य अर्थशास्त्र, अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याएँ, आर्थिक क्रियाकलापों का आयोजन– केन्द्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था, बाजार अर्थव्यवस्था। सकारात्मक तथा आदर्शक अर्थशास्त्र, व्यष्टि अर्थशास्त्र तथा समष्टि अर्थशास्त्र, पुस्तक की योजना।

इकाई : दो – उपभोक्ता के व्यवहार का सिद्धांत (उपभोक्ता संतुलन) 14 अंक 32 कालखण्ड

उपयोगिता– गणनावाचक उपयोगिता विश्लेषण, क्रमवाचक उपयोगिता विश्लेषण। उपभोक्ता बजट– बजट सेट एवं बजट रेखा, बजट सेट में बदलाव। उपभोक्ता का इष्टतम चयन– माँग, माँग वक्र तथा माँग का नियम, अनधिमान वक्रो तथा बजट बाध्यताओं से माँग वक्र की व्युत्पत्ति, सामान्य तथा निम्नस्तरीय वस्तुएँ, स्थानापन्न तथा पूरक, माँग वक्र में शिफ्ट, माँग वक्र की दिशा में गति और माँग वक्र में शिफ्ट। बाजार माँग, माँग की लोच– रैखिक माँग वक्र की दिशा में लोच, किसी वस्तु के लिए माँग की कीमत लोच को निर्धारित करने वाले कारक, लोच एवं व्यय।

इकाई : तीन – उत्पादन तथा लागत 07 अंक 16 कालखण्ड

उत्पादन फलन, अल्पकाल तथा दीर्घकाल, कुल उत्पाद, औसत उत्पाद तथा सीमांत उत्पाद– कुल उत्पाद, औसत उत्पाद, सीमांत उत्पाद। ह्रासमान सीमातं उत्पाद नियम तथा परिवर्ती अनुपात नियम, कुल उत्पाद, सीमांत उत्पाद तथा औसत उत्पाद वक्र की आकृतियाँ, पैमाने का प्रतिफल, लागत– अल्कालीन लागत, दीर्घकालीन लागत।

इकाई : चार – पूर्ण प्रतिस्पर्धा की स्थिति में फर्म का सिद्धांत 07 अंक 16 कालखण्ड

पूर्ण प्रतिस्पर्धा: पारिभाषिक लक्षण, संप्राप्ति, लाभ अधिकतमीकरण– स्थिति–1, स्थिति–2, स्थिति–3, लाभ अधिकतमीकरण समस्या: आरेख द्वारा प्रदर्शन। एक फर्म का पूर्ति वक्र– एक फर्म का अल्पकालीन पूर्ति वक्र, एक फर्म का दीर्घकालीन पूर्ति वक्र, उत्पादन बंदी बिंदु, सामान्य लाभ तथा लाभ–अलाभ बिंदु। फर्म के पूर्ति वक्र के निर्धारक तत्व – प्रौद्योगिकीय प्रगति, आगत कीमतें। बाजार पूर्ति वक्र, पूर्ति की कीमत लोच।

इकाई : पाँच – बाजार संतुलन 08 अंक 28 कालखण्ड

संतुलन, अधिमाँग, अधिपूर्ति– बाजार संतुलनः फर्मों की स्थिर संख्या, बाजार संतुलनः निर्बाध प्रवेश तथा बहिर्गमन। अनुप्रयोग– उच्चतम निर्धारित कीमत, निम्नतम निर्धारित कीमत।

भाग–2 – समष्टि अर्थशास्त्र एक परिचय

इकाई : छः – परिचय एवं राष्ट्रीय आय का लेखांकन 10 अंक 28 कालखण्ड

समष्टि अर्थशास्त्र का उद्‌भव, समष्टि अर्थशास्त्र की वर्तमान पुस्तक का संदर्भ। राष्ट्रीय आय का लेखांकन– समष्टि अर्थशास्त्र की कुछ मूलभूत संकल्पनाएँ, आय का वर्तुल प्रवाह और राष्ट्रीय आय गणना की विधि– उत्पाद अथवा मूल्यवर्धित विधि, व्यय विधि, आय विधि, साधन लागत, आधारित कीमतें तथा बाजार कीमतें। कुछ समष्टि अर्थशास्त्रीय तादात्म्य, मौद्रिक और वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद, सकल घरेलू उत्पाद और कल्याण।

इकाई : सात – मुद्रा और बैंकिग 06 अंक 15 कालखण्ड

मुद्रा के कार्य, मुद्रा की माँग और मुद्रा की पूर्ति, बैकिंग व्यवस्था द्वारा साख सृजन – एक काल्पनिक बैंक का चिट्ठा, साख सृजन की सीमाएँ तथा मुद्रा–गुणक। मुद्रा पूर्ति के नियंत्रण के नीतिगत उपकरण।

इकाई : आठ – आय और रोजगार के निर्धारण 12 अंक 27 कालखण्ड

समग्र माँग तथा इसके अवयव– उपभोग, दो–सेक्टर मॉडल में आय का निर्धारण। लघु अवधि मे संतुलन आय का निर्धारण– स्थिर कीमत स्तर के साथ समष्टि अर्थशास्त्रीय संतुलन, समग्र माँग में परिवर्तन का आय तथा उत्पादन पर प्रभाव, गुणक क्रियाविधि। कुछ अन्य संकल्पनाएँ।

इकाई : नौ – सरकारी बजट एवं अर्थव्यवस्था 06 अंक 15 कालखण्ड

सरकारी बजट–अर्थ तथा इसके अवयव– सरकारी बजट के उद्देश्य, प्राप्तियों का वर्गीकरण, पूँजीगत लेखा। संतुलित, अधिशेष एवं घाटा बजट– सरकारी घाटे की माप।

इकाई : दस – खुली अर्थव्यवस्था – समष्टि अर्थशास्त्र 06 अंक 15 कालखण्ड

अदायगी– संतुलन– चालू खाता, पूँजी खाता, अदायगी–संतुलन और घाटा। विदेशी विनिमय बाजार– विदेशी विनिमय दर, विनिमय दर का निर्धारण, तिरती और स्थिर विनिमय दर प्रणालियों के गुण और दोष, प्रबंधित तिरती।

योग	80	200
प्रायोजना	20	20
महायोग	100	220

परिशिष्ट – "A-01"

प्रायोजना कार्य

कक्षा – XII

विषय – अर्थशास्त्र (303)

अंक – 20

समय – 02: घण्टे

मूल्यांकन योजना

स.क्र.	विषयवस्तु	अंक
01.	विषयवस्तु प्रसंग (Relevance of the Topic)	**03** अंक
02.	विषयवस्तु ज्ञान/अनुसंधान कार्य (Knowledge of Content/Research Work)	**06** अंक
03.	प्रस्तुतीकरण तकनीक (Presentation Techniques)	**03** अंक
04.	प्रायोजना रिकार्ड+मौखिक (Project Record + Viva)	**08(4+4)** अंक
	कुल अंक (**Total Mark**)	**20** अंक

टीप – प्रायोजना की कार्ययोजना पूर्ववत् यथावत् रहेगा।

पाठ्यक्रम संरचना
कक्षा – XII
विषय – अर्थशास्त्र (303)
प्रायोजना कार्य

सामान्य निर्देश :–

- विद्यार्थियों द्वारा दिए गए 2 प्रायोजना में से किसी "एक" का चयन किया जाना है।
- शिक्षक को विद्यार्थियों से विस्तृत परिचर्चा तथा विचार विमर्श द्वारा प्रायोजना चयन में सहायता करनी चाहिए। शिक्षक को सुविधाप्रदाता की भूमिका निभाते हुए विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट कार्य का निरीक्षण तथा निगरानी करनी चाहिए। एक निश्चित समयावधि में शिक्षक द्वारा प्रोजेक्ट कार्य प्रगति की समीक्षा एवं चर्चा अवश्य की जानी चाहिए।
- शिक्षक को प्रोजेक्ट संबंधी अनुसंधान कार्य के लिए आकड़ों, सामग्री, सूचना संकलन हेतु मार्गदर्शक की अहम भूमिका निभानी चाहिए तथा उनकी विश्वसनीयता हेतु सूचना संकलन स्त्रोत दर्शाये जाने हेतु विद्यार्थी को मार्गदर्शन देना चाहिए।
- शिक्षक द्वारा यह सुनिश्चित अवश्य किया जाना चाहिए कि विद्यार्थी को प्रोजेक्ट संबंधी आवधारणा की वास्तविक समझ है कि ताकि वे प्रोजेक्ट के अंतिम प्रस्तुतीकरण के समय प्रोजेक्ट संबंधी मौखिक प्रश्नों को भलीभांति सामना कर सकें।
- शिक्षक द्वारा कक्षा में प्रत्येक छात्र के प्रोजेक्ट का प्रस्तुतीकरण अवश्य कराया जाना चाहिए ताकि विद्यार्थी एक दूसरे के प्रोजेक्ट कार्य से सीख सकें।
- शिक्षक द्वारा यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि विद्यार्थी द्वारा प्रोजेक्ट कार्य विषय संबंधी अवधारणा के विभिन्न पहलुओं से सीखा गया है।

1. **प्रोजेक्ट (विकल्प एक) :–** हमारे चारो ओर घटित घटनाक्रम संबंधी, इस प्रोजेक्ट कार्य के निम्न उद्देश्य है :–

- देश विदेश के चारो ओर होने वाली आर्थिक घटनाओं की प्रतिक्रिया व अवसर की समझ विकसित करने योग्य बनाना। (उदा.– सामग्री तथा सर्विस टैक्स की गतिशीलता तथा भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव अथवा यूरोपियन और BRICKS के प्रभाव)
- आर्थिक घटनाओं के अवलोकन तथा समझ हेतु विश्लेषण क्षमता अर्जित करने तथा आर्थिक कारणों की समझ विकसित करने का अवसर प्रदान करना।
- विद्यार्थियों में देश तथा विदेश में होने वाली विभिन्न आर्थिक विकास के प्रति जागरूकता लाना।
- किसी आर्थिक मुद्दे पर एक से अधिक दृष्टिकोण की समझ तथा उनका कारणों सहित न्यायोचित तर्क क्षमता का विकास करना।
- वास्तविक दुनिया की परिस्थितियों में आर्थिक नीतियों के प्रभाव तथा उनके विशेष क्रियान्वन में अंतर और आम लोगों पर आर्थिक नीतियों के प्रभाव का विश्लेषण।
- विद्यार्थियों के दैनिक जीवन से संबंधित भिन्न आर्थिक मद्दों के तथा विस्तृत यर्थाथवादी मद्दे के अन्वेषण का अवसर प्रदान करना।

प्रोजेक्ट के अवसर :– विद्यार्थी निम्नानुसार कार्य तैयार कर सकते है :–

- भूमिका
- विषय वस्तु की व्याख्या
- आर्थिक घटनाओं/परिवर्तन/प्रलोभन/छलावें
- विषय संबंधित प्रमुख आलोचना (यदि कोई है तो)
- प्रोजेक्ट कार्य से विद्यार्थी की स्वयं की समझ/दृष्टिकोण/राय/अनुभव
- ऐसा कोई ठोस विचार जिसमें विद्यार्थी की विशेष धारणा शामिल हो जो उसके द्वारा स्वयं प्रोजेक्ट कार्य व प्रस्तुतीकरण के दौरान सही हो।

प्रोजेक्ट का प्रस्तुतीकरण तथा प्रोजेक्ट जमा करना :–

प्रोजेक्ट कार्य की निर्धारित समयावधि में प्रत्येक विद्यार्थी अपने प्रोजेक्ट फाइल बनाकर परीक्षक के समक्ष प्रस्तुत करेगा।

(सुझावित मापदंडों के अनुसार विद्यार्थी के प्रयासों को महत्व देना चाहिए)

प्रोजेक्ट कार्य हेतु सूची (केवल सुझाव स्वरूप)

- छोटे तथा लघु उद्योग
- भारत में खाद्य वितरण प्रणाली
- भारत में समकालीन/आधुनिक रोजगार की परिस्थितियां
- विनिवेश नीतियां
- स्वास्थ्य व्यय (किसी भी राज्य संबंधी)
- सामग्री तथा सर्विस टेक्स अधिनियम
- संपूर्ण वृद्धि कार्यशैली
- मानव विकास अनुसूची
- स्वसहायता समूह
- अन्य कोई विषय

2. **प्रोजेक्ट (विकल्प दो) :– पाठ्यक्रम से किसी अवधारणा का विश्लेषण। इस प्रोजेक्ट के निम्न उद्देश्य है :–**

- आर्थिक सिद्धांत के अवधारणाओं के वास्तविक जीवन संबंधी अनुप्रयोग करना तथा आर्थिक सिद्धांतों के अवधारणाओं के प्रति अभिरूचि विकसित करना।
- पाठ्यक्रमानुसार दी गई अवधारणा से आर्थिक कारण विकसित करने सीखने का अवसर प्रदान करना।
- स्वयं की धारणा विकसित करने तथा शुद्ध विचारों की समझ चिंतन क्षमता, अभ्यास, हेतु योग्य बनाना।
- किसी आर्थिक मुद्दे पर एक से अधिक दृष्टिकोण की समझ विकसित करना तथा उनका कारणों सहित न्यायोचित तर्क क्षमता का विकास करना।

- वास्तविक विश्व परिस्थितियों में आर्थिक नीतियों की कार्यक्षमता में अंतर करना।
- एक सुनिश्चित (सुचारू रूप) तरीके में अर्थशास्त्र के अनुशासन की कठिनाईयों से छात्र को अवगत कराना।
- आम लोगों पर अर्थशास्त्र के सिद्धांत/नियम के प्रभाव तथा अवधारणा के प्रभाव को अवगत कराना।

प्रोजेक्ट के क्षेत्र

अवधारणा की व्याख्या

- अर्थ तथा परिभाषा
- अवधारणा के अनुप्रयोग
- आलेखीय व्याख्या (यदि कोई हैं)
- अवधारणा से संबंधित गणितीय व्याख्या (यदि कोई हैं)
- विद्यार्थियों द्वारा विषय संबंधी/स्वयं के विचार/राय/दृष्टिकोण/समझ

प्रोजेक्ट की प्रस्तुती तथा प्रस्तुतीकरण का स्वरूप

विद्यार्थी प्रोजेक्ट कार्य समाप्त करने के उपरांत प्रोजेक्ट फाइल बाह्य परीक्षक के समक्ष प्रस्तुत करेगा।

1. सुझाव हेतु सूची

- मूल्य निर्धारण
- मूल्य अवमूल्यन
- अवसर मूल्य
- उत्पादन संभावना वक्र
- मांग तथा उनके निर्धारक
- पूर्ति तथा इसके निर्धारक
- उत्पादन – कारक की वापसी
- मूल्य फलन एवं मूल्य वक्र
- ऋण सृजन
- पूंजी गुणक
- सेंट्रल बैंक व इसके कार्य
- सरकारी बजट तथा इसके घटक
- बजट घाटा
- विनियम दर प्रणाली
- विदेशी विनियम बाजार
- अदायगी संतुलन

टीप :– शिक्षक के अनुमोदन से अन्य कोई विषय

———00———